

पेरिस में गूंजा भारतीय संस्कृति का संदेश,

पीएम मोदी बोले-मंदिर भारत-फ्रांस संबंधों का नया अध्याय



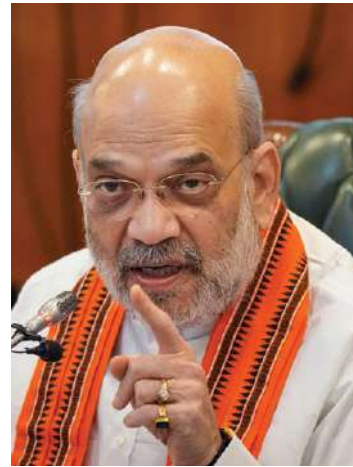
पेरिस में बीएपीएस स्वामीनारायण हिंदू मंदिर के उद्घाटन समारोह को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और फ्रांस के सांस्कृतिक संबंधों के लिए नया मील का पत्थर बताया। 6 सितंबर को आयोजित समारोह को उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह भव्य मंदिर फ्रांस की सांस्कृतिक विविधता को समृद्ध करेगा और दोनों देशों के सांस्कृतिक रिश्तों को नई ऊर्जा देगा। उन्होंने भारत-फ्रांस संबंधों को पुरानी सांस्कृतिक और राजनीतिक विरासत पर आधारित विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी बताया।

पणजी में आज अमित शाह की अध्यक्षता में पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की बैठक

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आज, 7 सितंबर को गोवा की राजधानी पणजी में पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की 28वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक का आयोजन केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतरराज्यीय परिषद सचिवालय द्वारा किया जा रहा है और इसकी मेजबानी गोवा सरकार कर रही है।

पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद में गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र तथा दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव शामिल हैं। बैठक में संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्री, वरिष्ठ मंत्री और केंद्र व राज्यों के अधिकारी हिस्सा लेंगे।

बैठक का प्रमुख उद्देश्य राज्यों के बीच तथा केंद्र और राज्यों के बीच

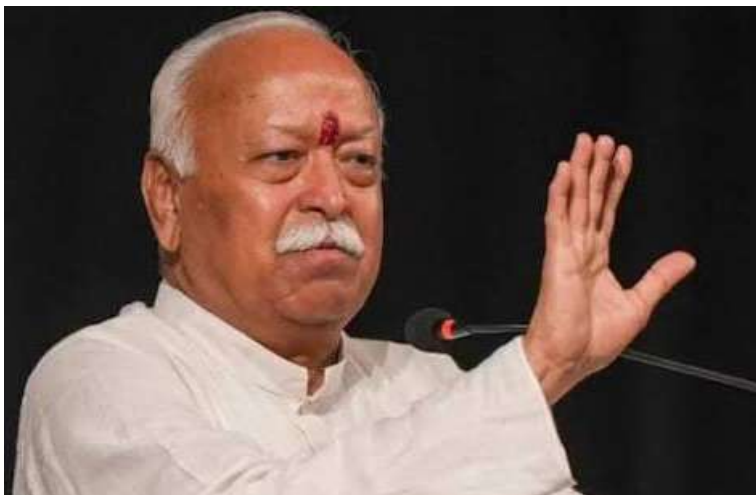


समन्वय को मजबूत करना और लंबित अंतरराज्यीय मुद्दों पर चर्चा करना है। परिषद में कानून-व्यवस्था, महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ

अपराधों की जांच, त्वरित न्याय, आपातकालीन सहायता व्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली सुधार, शहरी नियोजन, सहकारिता, साइबर अपराध और डिजिटल ढांचे जैसे विषयों पर भी चर्चा होती है।

पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद के अध्यक्ष स्वयं गृह मंत्री अमित शाह हैं, जबकि मेजबान राज्य के मुख्यमंत्री वर्तमान उपाध्यक्ष हैं। वर्ष 2014 से अब तक विभिन्न क्षेत्रीय परिषदों और उनकी स्थायी समितियों की 70 बैठकें हो चुकी हैं। सरकार इन्हें सहकारी संघवाद और 'टीम भारत' की भावना को मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण मंच मानती है।

‘कर्मभूमि’ वही, जहां आपकी निष्ठा-लंदन में मोहन भागवत का हिंदुत्व पर बड़ा संदेश



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने लंदन में हिंदुत्व, राष्ट्र और कर्मभूमि को लेकर महत्वपूर्ण विचार रखे। उन्होंने कहा कि विदेश में रहने वाले हिंदुओं के लिए

उनकी कर्मभूमि वही देश है, जहां वे रहते हैं, काम करते हैं और जिसके प्रति उनकी निष्ठा है। ब्रिटेन में रहने वाले भारतीय मूल के हिंदुओं के संदर्भ में उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी कर्मभूमि

ब्रिटेन है और उसके प्रति निष्ठा रखना हिंदुत्व की भावना के विपरीत नहीं है। भागवत ने हिंदुत्व को केवल पूजा-पद्धति या धार्मिक पहचान तक सीमित मानने से इनकार करते हुए इसे विविधताओं को स्वीकार करने वाली जीवन-दृष्टि के रूप में समझाया। उनका कहना था कि अलग-अलग विचार और रास्ते होने के बावजूद साथ रहना संभव है। उन्होंने जोर दिया कि एकता के लिए सबका एक जैसा होना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा कि समाज को उन बातों पर ध्यान देना चाहिए जो लोगों को जोड़ती हैं, न कि उन पर जो उन्हें बांटती हैं। उनके अनुसार हिंदू विचार में विविधता स्वाभाविक है और एकता उसका आधार। भागवत के इस बयान को विदेशों में बसे भारतीय मूल के लोगों के लिए महत्वपूर्ण संदेश माना जा रहा है।

सत्य निकेतन हादसा: 6 मौतों के बाद जागी दिल्ली, सीएम रेखा गुप्ता ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में बहुमंजिला इमारत ढहने से मृतकों की संख्या छह पहुंच गई है। रातभर चले राहत और बचाव अभियान के दौरान मलबे से एक और शव निकाला गया। बचाव दलों ने अब तक कई लोगों को बाहर निकाला है और मलबे में किसी अन्य व्यक्ति के फंसे होने की आशंका को देखते हुए अभियान जारी है।

यह इमारत छात्रों के लिए पीजी आवास के रूप में इस्तेमाल हो रही थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसे के समय बेसमेंट में मरम्मत का काम चल रहा था। घटना ने राजधानी में पुराने भवनों, अवैध निर्माण और पीजी में रहने वाले छात्रों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घटनास्थल का जायजा लेने के बाद मामले की



मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही इमारत के मालिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस के अनुसार मालिक हरिराम और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। सरकार ने साफ किया है कि जांच में जिसकी भी लापरवाही सामने आएगी, उसकी जवाबदेही तय की जाएगी।

हादसे के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है—अगर इमारत में नियमों का उल्लंघन था और वहां बड़ी संख्या में छात्र रह रहे थे।

ललितपुर से सागर सप्लाय होता रहा ‘जहर’... ‘नकली शराब’ ने अनेक परिवारों पर बरपाया कहर!

राजेश धाकड़

मध्यप्रदेश के सागर जिले में हुए शराब कांड ने सबको हिलाकर रख दिया... अब इसे लेकर सियासत शुरू हुई और विपक्ष ने सत्ता पक्ष को घेरना शुरू कर दिया...।

यह कांड तब हुआ जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश में ही नहीं हैं... हालांकि उनकी ओर से



प्रतिक्रिया आई और कहा गया कि “यह संवेदनशील मामला है... नई दिल्ली प्रवास के दौरान यह मामला संज्ञान में आते ही मैंने सागर जिले के प्रभारी मंत्री

एवं संबंधित अधिकारियों को तत्काल जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए... इस मामले में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा...

वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्र में तत्काल जांच, राहत और उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं...।

इनके नाम आए सामने...

उधर, एक खबर यह सामने आई कि जिले के बंडा क्षेत्र में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से जिन लोगों की मौत हुई उस मामले की शुरुआती जांच

में ही यह खुलासा हो गया कि यह शराब उत्तरप्रदेश के ललितपुर जिले से सटे गांवों से यूपी के शराब माफियाओं द्वारा सप्लाय कराई जाती रही और एक बड़ा रैकेट की लिंक भी पुलिस को सागर से ललितपुर के बीच की हाथ लगी... इस मामले में ललितपुर निवासी रवि लखेरा, उसकी पत्नी शिवानी लखेरा, चंद्रेश लोधी, मोना राजा सहित अन्य के नाम मीडिया में सामने भी आए...।

चाचा-भतीजा विजयराघवगढ़ पुलिस की गिरफ्त में, चाचा भतीजा 2 किलो 960 ग्रामगांजा जब्त



नवल किशोर

कटनी। विजयराघवगढ़ पुलिस ने अवैध रूप से गांजा परिवहन करने के आरोप में चाचा-भतीजे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से करीब 2 किलो 960 ग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 35 हजार रुपए बताई गई है, तथा परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की है। पुलिस के अनुसार 5 सितंबर को थाना विजयराघवगढ़ की टीम आईटीआई विजयराघवगढ़ के पास तलैया क्षेत्र में मुख्य मार्ग पर वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल से जा रहे दो व्यक्तियों को रोककर पूछताछ की गई। दोनों का व्यवहार संदिग्ध लगने पर पुलिस ने उनकी तलाशी ली।

तलाशी के दौरान पीछे बैठे व्यक्ति के पिट्टू बैग से मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजे का वजन कराने पर कुल 2 किलो 960 ग्राम पाया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान समयलाल कोल पिता सुखलाल कोल और गोविंद प्रसाद पिता प्रेमलाल कोल, उम्र 52 वर्ष, दोनों निवासी ग्राम खिरवा नंबर-1, थाना विजयराघवगढ़, जिला कटनी के रूप में हुई। दोनों आपस में चाचा-भतीजे बताए गए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया। आवश्यक कार्रवाई के बाद दोनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया गया। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस वीरेन्द्र धार्वे के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी विजयराघवगढ़ निरीक्षक अभिषेक चौबे के नेतृत्व में की गई। इस कार्रवाई में सजनि जगदीश प्रसाद पाण्डेय, सजनि विक्रम सिंह, सजनि संतोष स्वामी, आरक्षक 552 अंजनी झा सहित स्वतंत्र साक्षियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

योजनाओं का निरंतर लाभ लेने के लिए समग्र e-KYC आवश्यक

नगर निगम ने नागरिकों से की अपील

नवल किशोर

कटनी। शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुगमता से प्राप्त करने के लिए समग्र आईडी की e-KYC पूर्ण होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से नगर पालिक निगम कटनी द्वारा नागरिकों को समग्र e-KYC कराने के लिए जागरूक किया जा रहा है। शासन की योजनाओं में पात्रता एवं लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया में आधार सत्यापित समग्र आईडी का महत्व है।

नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि जिन हितग्राहियों की समग्र e-KYC अभी तक पूर्ण नहीं हुई है, वे समय रहते अपनी e-KYC प्रक्रिया पूरी कराएं, ताकि शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। e-KYC में समग्र आईडी में दर्ज जानकारी का आधार में उपलब्ध जानकारी से सत्यापन किया जाता है।

इन स्थानों पर करा सकते हैं e-KYC

नगर निगम द्वारा नागरिकों की सुविधा के लिए नगर निगम परिसर स्थित समग्र केंद्र, नगर निगम जोन कार्यालय—खिरहनी और नगर निगम उप कार्यालय माधव नगर पर e-KYC संबंधी समस्या के निराकरण एवं सहायता की व्यवस्था की गई है

साथ ले जाएं ये आवश्यक दस्तावेज

e-KYC के लिए नागरिक अपना समग्र आईडी, आधार कार्ड तथा आधार से लिंक मोबाइल नंबर साथ लेकर जाएं। आधार से मोबाइल नंबर लिंक नहीं होने की स्थिति में निर्धारित केंद्र पर उपलब्ध वैकल्पिक सत्यापन माध्यम से प्रक्रिया पूरी कराई जा सकती है।

नागरिकों से अपील

नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी समग्र e-KYC की स्थिति सुनिश्चित करें और आवश्यकता होने पर निर्धारित केंद्रों पर संपर्क कर प्रक्रिया पूर्ण कराएं, ताकि पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

बदनावर की व्याख्याता को राष्ट्रीय गौरव सम्मान 2026

बदनावर, (मनोहर पाटीदार)

वर्तमान में शासकीय सांदीपनि नंदराम चोपड़ा उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बदनावर में व्याख्याता के रूप में कार्यरत को दैनिक विनय उजाला राष्ट्रीय गौरव सम्मान 2026 से नवाजा गया। 6 सितंबर 2026 को उज्जैन में रामसखा गौतम सभागृह प्रशासनिक क्षेत्र में आयोजित समारोह में अति विशिष्ट अतिथि श्रीमती पद्मिनी कोल्हापुरी सुप्रसिद्ध सिने तारिका, विशेष अतिथि गौतम टेटवाल प्रभारी मंत्री उज्जैन, अनिल फिरोजिया सांसद उज्जैन, श्रीमती कलावती यादव सभापति नगर निगम उज्जैन एवं नंदलाल यादव अध्यक्ष प्रेस क्लब उज्जैन थे। समझ में अति विशिष्ट अतिथि पद्मिनी कोल्हापुरी ने प्रदीप पांडेय को शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, लेखन एवं सामाजिक सेवा में उनकी उल्लेखनीय सेवा के योगदान को लेकर प्रशस्ति पत्र और शाल श्रीफल के साथ सम्मानित किया। प्रदीप कुमार पांडेय पिता शुक्देव जी पांडेय, सन् 1986 में शिक्षा विभाग में नियुक्त सहायक शिक्षक, उच्च श्रेणी शिक्षक तथा वर्तमान में व्याख्याता के पद पर कार्यरत रहते हुए शिक्षा को आनंददायी, भयमुक्त एवं रोचक बनाने के लिए सतत् समर्पित रहा। विकासखंड स्रोत समन्वयक एवं राज्य स्तरीय स्रोत शिक्षक के रूप में



एससीईआरटी-यूनिसेफ के संयुक्त शिक्षक समाख्या परियोजना के अंतर्गत राजस्थान, गुजरात, नई दिल्ली, बिहार, आसाम, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के 35 जिलों में प्राथमिक शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया। एनसीईआरटी, नई दिल्ली में एनसीईआरटी द्वारा संचालित, देश के केंद्रीय विद्यालयों के शिक्षकों को प्रशिक्षण देकर नवाचारी शिक्षण की अलख जगाई। चित्र-कहानी, शैक्षणिक सामग्री एवं पाठ्यक्रम आधारित पुस्तकों के लेखन तथा अनुपयोगी सामग्री से शिक्षण-सामग्री निर्माण द्वारा 'कबाड़ से जुगाड़' को साकार किया।

विद्यालय को बाल-मित्र शाला के रूप में विकसित करते हुए निर्धन एवं

दिव्यांग विद्यार्थियों, को पठन-पाठन, मार्गदर्शन एवं आर्थिक सहयोग प्रदान किया। निःशुल्क चिकित्सा, दिव्यांग शिविरों नगर की शैक्षणिक साहित्यिक सांस्कृतिक सामाजिक सेवा, धार्मिक गतिविधियों, कौमी एकता, में विद्यार्थी जीवन से ही विगत 45 वर्षों से सक्रिय सेवादानी। करियर से संबंधित विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया है उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्यों एवं नवाचारों के फलस्वरूप 2016 में राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान (राष्ट्रपति पुरस्कार) एवं 2017 में राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान प्राप्त हुआ। शिक्षक ने कहा कि-मेरी शिक्षा-साधना का ध्येय हर विद्यार्थी में संभावना जगाना और हर शिक्षण को सीखने का आनंदमयी उत्सव बनाना है।

लखन दादा की प्रतिमा पर लखन देपाले ने किया दुग्धाभिषेक

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा, इंदौर महानगर में नगर मंत्री का नवीन दायित्व प्राप्त होने पर लखन देपाले इंदौर वाले ने श्रद्धेय ब्रह्मलीन लक्ष्मण सिंह गौड़ जी (लखन दादा) की प्रतिमा पर दुग्धाभिषेक एवं माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस दौरान उन्होंने लखन दादा



का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर लखन देपाले ने कहा कि श्रद्धेय ब्रह्मलीन श्री लक्ष्मण सिंह गौड़ जी के आदर्श, संघर्ष एवं जनसेवा सदैव कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा दिए गए नवीन दायित्व का पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करते हुए जनसेवा और संगठन को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम में नगर उपाध्यक्ष शिव सिंह गौड़, ओबीसी मोर्चा से रोहित यादव, श्रीमती आशा खोडे, श्रीमती किरण बुंदेला, धर्मेन्द्र कुंवाल, अनिल निषाद, राहुल यादव, मनीष इमोलिया, गोलू गंधारे, सुनील कोतुल, भय्यू यादव, गोलू चौधरी, शिव भारले, राज मालवीय, राहुल देपाले, आकाश निहाले, मोहित देपाले, शाहिल बामने, अनू बामने, शावन परमार एवं शिव बामने सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने लखन देपाले को नवीन दायित्व मिलने पर शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

इंदौर में NDDB अध्यक्ष डॉ. मीनेश शाह की किसानों के साथ अहम बैठक

खुशबू श्रीवास्तव



दूध उत्पादकों के हित, डेयरी विकास और सहकारी व्यवस्था को मजबूत करने पर हुआ मंथन

इंदौर,। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) के अध्यक्ष एवं प्रबंध संचालक डॉ. मीनेश शाह ने इंदौर में किसान प्रतिनिधियों एवं डेयरी क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने, दुग्ध उत्पादक किसानों के हितों, सहकारी दुग्ध व्यवस्था को मजबूत करने और किसानों की आय में वृद्धि जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में NDDB आणंद (गुजरात), एमपी स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन भोपाल, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, सहकारिता विभाग तथा इंदौर दुग्ध संघ के वरिष्ठ अधिकारी और किसान प्रतिनिधि मौजूद रहे। डॉ. शाह ने अधिकारियों और किसानों से डेयरी क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए किसानों को बेहतर सुविधाएं, तकनीकी सहयोग और उचित अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

जगन्नाथ मंदिर की आकृति पर तैयार हुआ अनूठा सेहरा, इंदौर के कलाकार विशाल हेमराज कप्तान ने एक माह की मेहनत से रचा आकर्षक शिल्प

सह. संपादक अनिल चौधरी

कला, आस्था और परंपरा के अनूठे संगम का उदाहरण पेश करते हुए इंदौर के प्रसिद्ध सेहरा कलाकार विशाल हेमराज कप्तान द्वारा भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर की आकृति पर एक विशेष एवं आकर्षक सेहरा तैयार किया गया है। यह अनूठा सेहरा इंदौर से मंदसौर निवासी लखन भगत और अंकुर परमार के लिए विशेष रूप से बनाया गया है। सहयोगी कलाकारों के रूप में मयंक कल्याण, अंशुल कृष्णा, हर्ष, तनिष्क और युवराज ने दिया सहयोग। सभी कलाकारों ने मिलकर करीब एक महीने तक मेहनत करते हुए इस विशेष सेहरे को अंतिम रूप दिया। कलाकारों का कहना है कि भारतीय परंपराओं और धार्मिक प्रतीकों को कला के माध्यम से जीवंत करना उनकी प्राथमिकता है और भविष्य में भी इसी तरह की अनूठी एवं रचनात्मक कलाकृतियां तैयार करने का प्रयास जारी रहेगा। इस विशेष सेहरे को तैयार करने में कलाकार विशाल हेमराज कप्तान ने करीब एक माह तक लगातार मेहनत और सतत प्रयास किए। भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर की वास्तुकला और धार्मिक स्वरूप को ध्यान में रखते



हुए सेहरे को बेहद बारीकी और कलात्मकता के साथ तैयार किया गया है।

सेहरे में मंदिर की आकृति को आकर्षक ढंग से उकेरते हुए पारंपरिक कला को आधुनिक शिल्प कौशल के साथ प्रस्तुत किया गया है। कलाकार विशाल हेमराज कप्तान ने बताया कि इस तरह के

विशेष सेहरे को तैयार करने में केवल सजावट ही नहीं, बल्कि धार्मिक भावनाओं और कलात्मक बारीकियों का भी विशेष ध्यान रखना पड़ता है। जगन्नाथ जी के मंदिर की आकृति को सेहरे के स्वरूप में उतारना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था, जिसके लिए लंबे समय तक डिजाइन, संरचना और सजावट पर कार्य किया

गया। इंदौर की सेहरा कला को एक अलग पहचान दिलाने वाले कलाकार विशाल हेमराज कप्तान द्वारा तैयार यह सेहरा अब इंदौर से मंदसौर पहुंचेगा। धार्मिक आस्था, पारंपरिक शिल्प और कलाकारों की मेहनत से तैयार यह अनूठी कलाकृति लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बनने की उम्मीद है।

चटान-सा खड़ा हूँ

न सोचा था, न देखा था कभी,
ऐसा भी मोड़ आएगा जीवन के सफर में,
जहाँ अपने ही कदमों की आहट
डराने लगेगी मुझे इस सुनसान डगर में।

दुखों ने ऐसा बसेरा किया,
जैसे मेरा ही घर माँग लिया हो,
हर खुशी दरवाजे से लौट गई,
और दर्द ने मुझे अपना मान लिया हो।

फिर भी चटान-सा खड़ा हूँ राहों में,
टूटा हूँ, मगर बिखरा नहीं हूँ।
जख्म इतने मिले इस सफर में,
कि अब दर्द से भी अनजान नहीं हूँ।

पल-पल तड़पता है इंसान यहाँ,
अपने ही इंसानी पिंजरे में,
चेहरे पर दुनिया के लिए मुस्कान,
और तूफान छिपे हैं सीने में।

कभी लगता है साँसें थम गई हैं,
पर साँसों का आना-जाना बाकी है,
समय जैसे रुक गया हो किसी मोड़ पर,
फिर भी घड़ी की रवानी बाकी है।

बहुत घना अंधेरा छाया है आज,
कि अपना साया भी दिखाई नहीं देता,
जिसे अपना समझकर हाथ बढ़ाऊँ,
वो हाथ भी अब दिखाई नहीं देता।
कितने सवाल दबे हैं मन में,
जिनका कोई जवाब नहीं मिलता,
कितना भी समझाऊँ इस दिल को,
कुछ दर्दों का हिसाब नहीं मिलता। मैंने

देखा है रिश्तों को बदलते,
वक्त के साथ अपनों को दूर जाते,
मैंने देखा है सपनों को टूटते,
और टूटे सपनों को आँखों में चुभ जाते।

कभी मन पूछता है मुझसे—
“और कितना सहना बाकी है?”
मैं चुप होकर आसमान देखता हूँ—
“शायद अभी चलना बाकी है...”

क्योंकि रात चाहे कितनी भी गहरी हो,
सुबह को कब तक रोक पाएगी?
ये जिंदगी चाहे जितना आजमाए मुझे,
एक दिन खुद हार जाएगी।

मैं गिरूँगा तो फिर उठूँगा,
मैं टूटूँगा तो फिर जुड़ूँगा,
आज भले अंधेरों से घिरा हूँ,
कल अपना सूरज खुद ढूँढ़ूँगा।

मैं वही हूँ—
जो दर्द में भी खड़ा रहा,
जिसे वक्त ने हजार बार तोड़ा,
मगर हर बार वह फिर खड़ा हुआ।

न सोचा था, न देखा था कभी,
ऐसा होगा जीवन के सफर में...।
मगर अब इतना जान गया हूँ—
अंधेरा चाहे जितना गहरा हो,
मैं खुद को खोने नहीं दूँगा इस सफर में।

गोपाल गावंडे

गोयल एवेन्यू, निपनिया में बदतर ड्रेनेज व्यवस्था: रहवासियों ने 311 ऐप पर दर्ज कराई 50 से अधिक शिकायतें, भगतपुरा जैसी बड़ी दुर्घटना की आशंका

इंदौर। निपनिया क्षेत्र स्थित पॉश कॉलोनी गोयल एवेन्यू के रहवासी पिछले एक दशक से अधिक समय से गंभीर ड्रेनेज समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिससे कभी भी भगतपुरा जैसी बड़ी आपदा की पुनरावृत्ति हो सकती है। कॉलोनी की सड़कों पर जगह-जगह ड्रेनेज का गंदा पानी फैला हुआ है और खुले चैंबरों से पानी का जोर से उल्टा रिसाव (बैकफ्लो) हो रहा है। स्थिति इतनी भयावह है कि घरों के अंदर से सांप और बिच्छू निकल रहे हैं, जिससे लोगों का जीवन असुरक्षित हो गया है।

एक साथ 50 से अधिक शिकायतें दर्ज कर बनाया अनोखा रिकॉर्ड

समस्या से त्रस्त होकर आज कॉलोनी के 50 से अधिक आक्रोशित रहवासियों ने नगर निगम के 'इंदौर 311' ऐप पर ड्रेनेज समस्या को लेकर एक साथ शिकायतें दर्ज कराईं। शिकायतकर्ता रामजीमल शर्मा (+91 98935 13231) और अन्य निवासियों (जैसे संजय जैन, संतोष पवार आदि) ने ऐप के माध्यम से तस्वीरें अपलोड कर प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित किया है। कई शिकायतों पर नगर निगम द्वारा कर्मचारियों (जैसे कमल किशोर कोटवार, संतोष पवार) को मामला सौंपा भी गया है, परंतु धरातल पर सुधार न होने के कारण जनता में



भारी रोष है।

बोरिंग के पानी में मिल रहा सीवर का गंदा पानी

रहवासियों को सबसे बड़ी आशंका इस बात की है कि सीवर और ड्रेनेज का यह दूषित पानी उनकी बोरिंग के पानी के साथ मिलकर घरों तक पहुंच रहा है, जिसे वे मजबूरन उपयोग करने को विवश हैं। बदबू और संक्रमण के खतरे के कारण पॉश कॉलोनी में आकर बसे लोग अब अपने घरों को बेचने और इस क्षेत्र को छोड़कर कहीं और जाने के लिए मजबूर हो रहे हैं।

नेताओं की अनदेखी और बड़े आंदोलन की चेतावनी

रहवासियों का आरोप है कि स्थानीय पार्षदों, महापौर और विधायकों को कई बार लिखित और मौखिक शिकायतें देने के बाद भी जनप्रतिनिधियों और प्रशासन ने इस पर कोई ठोस संज्ञान नहीं लिया है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाला, तो विवश होकर रहवासियों को बड़े पैमाने पर धरना-प्रदर्शन करना पड़ेगा।

स्त्री की शक्तियाँ को नया आयाम देता है सहजयोग

स्त्री सृष्टि की आधारशिला है। वह केवल परिवार की धुरी ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण की भी महत्वपूर्ण शक्ति है। आज की व्यस्त जीवनशैली में महिलाओं को अनेक भूमिकाएँ निभानी पड़ती हैं, जिसके कारण मानसिक तनाव, भावनात्मक दबाव और असंतुलन जैसी चुनौतियाँ सामने आती हैं। ऐसे समय में ध्यान स्त्री शक्ति के लिए एक अमूल्य साधन सिद्ध होता है, और सहजयोग इस दिशा में एक सरल एवं प्रभावशाली मार्ग प्रदान करता है। सहजयोग एक आत्म-साक्षात्कार आधारित ध्यान पद्धति है, जिसकी स्थापना श्री माताजी निर्मला देवी जी ने की। “सहज” का अर्थ है स्वाभाविक और “योग” का अर्थ है मिलन। यह वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से मनुष्य अपनी आंतरिक शक्ति, अर्थात् कुंडलिनी, के जागरण द्वारा अपने वास्तविक स्वरूप का अनुभव करता है। सहजयोग का ध्यान मन को शांत करता है, विचारों की अधिकता को कम करता है तथा आत्मविश्वास और आत्मसम्मान को बढ़ाता है। इससे महिलाओं में धैर्य, संतुलन और सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास होता है।



सहजयोग के अनुसार प्रत्येक महिला के भीतर मातृत्व, प्रेम, करुणा और संरक्षण की दिव्य शक्तियाँ विद्यमान हैं। ध्यान के माध्यम से ये गुण और अधिक प्रकट होते हैं, जिससे वह न केवल स्वयं को सशक्त बनाती है बल्कि अपने परिवार और समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। जब एक महिला अपने भीतर की शांति और शक्ति से जुड़ जाती है, तब वह जीवन की चुनौतियों का सामना अधिक सहजता और आत्मबल के साथ कर पाती है। श्री माताजी ने स्त्री धर्म का सर्वोच्च आदर्श प्रस्तुत करते हुए अपने जीवन में एक आदर्श पुत्री, पत्नी, माता और विश्वमाता की भूमिका का निर्वहन किया। उन्होंने परिवार की सभी जिम्मेदारियों को पूर्ण

समर्पण के साथ निभाते हुए मानवता के आध्यात्मिक उत्थान का महान कार्य किया। गृहस्थ जीवन में रहते हुए उन्होंने यह सिद्ध किया कि आध्यात्मिकता और पारिवारिक कर्तव्य एक-दूसरे के पूरक हैं। मातृत्व, करुणा, प्रेम, क्षमा और त्याग जैसे स्त्री-सुलभ गुणों को उन्होंने अपने जीवन में चरितार्थ किया तथा सहजयोग के माध्यम से लाखों लोगों को आत्मसाक्षात्कार प्रदान कर विश्व में शांति, एकता और धर्म की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया। श्री माताजी का जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि एक जागृत और संतुलित नारी पूरे समाज के उत्थान की प्रेरक शक्ति बन सकती है।

सहजयोग महिलाओं को उनकी अंतर्निहित शक्तियों का अनुभव कराकर उन्हें मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाता है। एक सशक्त और संतुलित महिला ही एक सशक्त परिवार, समाज और राष्ट्र की आधारशिला होती है। सहजयोग पूर्णतया व सदैव निशुल्क है, आप अपने नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट www.sahajayoga.org.in पर देख सकते हैं।

पंच ज्ञानेन्द्रियों व मन को सहस्रार में लय करने की कला है सहजयोग

पाँचों इन्द्रिय छठामन, सम संगत सूचंत।
कहै कबीर जग क्या करे, सातों गाँठ निश्चित।

संत कबीर

सब संत कवीयों ने आत्मसाक्षात्कार रूपी मधुर फल को चखा था, इसलिये उस अनुभूति का वर्णन वे सभी इतनी सूक्ष्मता से कर सके। जब साधक को आत्मज्ञान अर्थात् स्वरूपज्ञान होता है तो साधक को जो मधुर अनुभूतियाँ होती हैं इसका वर्णन करते हुए संत कबीर लिखते हैं, जो साधक अपनी पाँचों ज्ञानेन्द्रियों को यानि कि आंख, कान, नाक जिह्वा तथा त्वचा और छठे मन को सातवें ‘सहस्रार चक्र’ पर स्थित करता है अपनी ज्ञानेन्द्रियों को अंतर्मुखी करने की कला सीखता है, हर दिन के ध्यान योग की अभ्यास साधना में पारंगत होकर मनोजयी बनता है। सांसारिक लोभ, मोह, माया, वासना उसका कुछ भी बिगाड़ नहीं सकती। इस प्रकार वो मनोजयी अर्थात् मन को जीतने वाला बन जाता है।

प. पू. श्रीमाताजी द्वारा प्रणित सहज योग भी हमें मनोजयी होने की कला सिखाता है। कैसे ? सहजयोग एक स्व के तंत्र को जानने का शास्त्र है, इस योग के माध्यम से हम हमारे सूक्ष्म शरीर को जानते हैं। सहजयोग में जब



हमें हमारा स्वरूप साक्षात्कार प्राप्त होता है, तो हमारी पाँचे ज्ञानेन्द्रियाँ अंतर्मुखी बन जाती हैं। मन एकाग्र हो जाता है और साधक अपनी माँ स्वरूपिनी कुंडलिनी शक्ति का उर्ध्वगमन महसूस कर सकता है। यह कुंडलिनी शक्ति मूलाधार में पृथ्वीतत्व को, स्वाधिष्ठान में अग्नि तत्व को, नाभी में जल तत्व को, अनहद में वायुतत्व को विशुद्धि में आकाश और आज्ञा चक्र में मनतत्व को लांघकर सहस्रार चक्र में सदाशिव जा मिलती है। जिस अंतरंग अनुभव, का वर्णन हम कर रहे हैं, इसे विश्व के सभी सहजयोगियों ने पाया है और इस ज्ञान व योग की प्राप्ति के पश्चात् सभी साधक निर्भय, आनंदमय होकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं।

वैश्वीकरण के युग में भारतीय आध्यात्म और सहजयोग

आज का युग वैश्वीकरण, विज्ञान और तकनीकी प्रगति का युग है। इंटरनेट, आधुनिक संचार माध्यमों और तीव्र परिवहन ने भौगोलिक दूरियों को लगभग समाप्त कर दिया है। विश्व के विभिन्न देश, संस्कृतियाँ और समाज पहले से कहीं अधिक एक-दूसरे से जुड़े हैं। परंतु इस बाहरी जुड़ाव के साथ मनुष्य के भीतर तनाव, असंतुलन, असुरक्षा, अकेलापन और मानसिक अशांति जैसी चुनौतियाँ भी बढ़ रही हैं। ऐसे समय में भारतीय आध्यात्मिक परंपरा मानव जीवन को भीतर से संतुलित करने और शांति की ओर ले जाने का मार्ग प्रस्तुत करती है। इसी परंपरा में सहजयोग एक महत्वपूर्ण और सहज ध्यान पद्धति के रूप में विश्वभर में अपनी पहचान बना रहा है। भारतीय संस्कृति का “वसुधैव कुटुम्बकम्” का संदेश सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार के रूप में देखने की प्रेरणा देता है। वैश्वीकरण ने जहाँ विश्व को भौतिक और तकनीकी रूप से निकट लाया है, वहीं भारतीय आध्यात्म यह स्मरण कराता है कि वास्तविक वैश्विक एकता तभी संभव है, जब मनुष्य के भीतर भी शांति, करुणा, संतुलन और आत्मीयता का विकास हो। श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा स्थापित सहजयोग ध्यान पद्धति में मनुष्य के भीतर विद्यमान कुंडलिनी शक्ति के जागरण और आत्मसाक्षात्कार को विशेष महत्व दिया जाता है। सहजयोग का मूल संदेश है कि मनुष्य अपने भीतर मौजूद उस सूक्ष्म शक्ति और चेतना को



अनुभव कर सकता है, जो उसे मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक संतुलन की ओर

ले जाती है।

वैश्विक मंच पर भारतीय आध्यात्म की पहचान बनता सहजयोग

सहजयोग आज विश्व के विभिन्न देशों और संस्कृतियों के लोगों तक पहुँच चुका है। अमेरिका, यूरोप, रूस, ऑस्ट्रेलिया सहित अनेक देशों में लोग सहजयोग ध्यान के माध्यम से भारतीय आध्यात्मिक परंपरा से परिचित हो रहे हैं।

विभिन्न भाषाओं, संस्कृतियों और सामाजिक पृष्ठभूमियों के लोगों का इससे जुड़ना इस बात को दर्शाता है कि आंतरिक शांति, आत्मज्ञान और मानवीय एकता की आवश्यकता सार्वभौमिक है। सहजयोग भारतीय संस्कृति को केवल एक परंपरा के रूप में प्रस्तुत नहीं करता, बल्कि उसके आध्यात्मिक मूल्यों को अनुभव के माध्यम से समझने और आत्मसात करने का अवसर देता है। यही कारण है कि आज वैश्विक समाज में भारतीय योग और ध्यान परंपरा के प्रति रुचि निरंतर बढ़ रही है। सहजयोग व्यक्ति को आत्मचिंतन और ध्यान के माध्यम से अपने भीतर झाँकने की प्रेरणा देता है। जब व्यक्ति स्वयं के भीतर शांति और संतुलन का अनुभव करता है, तो उसके व्यवहार, संबंधों और जीवन-दृष्टि में भी सकारात्मक परिवर्तन आने की

संभावना बढ़ती है। इस प्रकार व्यक्तिगत आंतरिक परिवर्तन व्यापक सामाजिक और मानवीय परिवर्तन की आधारभूमि बन सकता है। सहजयोग का संदेश केवल व्यक्तिगत तनाव से मुक्ति तक सीमित नहीं है।

इसका व्यापक दृष्टिकोण मानव एकता, सामूहिक चेतना और विश्वशांति की भावना से जुड़ा है। आज जब दुनिया अनेक प्रकार की चुनौतियों और विभाजनों का सामना कर रही है, तब भारतीय आध्यात्म की यह दृष्टि अत्यंत प्रासंगिक है कि परिवर्तन की शुरुआत व्यक्ति के भीतर से होनी चाहिए। आंतरिक शांति ही बाहरी शांति की आधारशिला बन सकती है। सहजयोग वैश्वीकरण के युग में भारतीय आध्यात्म और वैश्विक मानवता के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य कर रहा है। यह व्यक्ति को आधुनिक जीवन से दूर नहीं करता, बल्कि आधुनिक जीवन के बीच रहते हुए अपने भीतर संतुलन, शांति और जागरूकता विकसित करने की दिशा दिखाता है। सहजयोग ध्यान पूर्णतः निःशुल्क है। सहजयोग एवं ध्यान संबंधी अधिक जानकारी टोल-फ्री नंबर : 1800 2700 800 अथवा www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

विशेष आलेख: विश्व फिजियोथेरेपी दिवस (8 सितंबर)

संजीवनी बनी 'एडवांस मैनुअल ऑस्टियोपैथी व फिजियोथेरेपी'

डॉ. पायल हरगांवकर



आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, घंटों स्क्रीन के सामने बैठने की मजबूरी, मानसिक तनाव और बिगड़ते लाइफस्टाइल ने मानव शरीर को बीमारियों का घर बना दिया है। पहले जहां फिजियोथेरेपी को केवल हड्डी टूटने या सर्जरी के बाद की सामान्य कसरत माना जाता था वहां वहीं वर्ष 2026 में यह क्षेत्र एक 'एडवांस मेडिकल साइंस' के रूप में उभर चुका है। हर साल 8 सितंबर को मनाया जाने वाला विश्व फिजियोथेरेपी दिवस इस बार हमें यह याद दिलाने आया है कि शरीर की गतिशीलता और सही फिजिकल एक्टिविटी ही लंबी और स्वस्थ जिंदगी की चाबी है। वर्ष 2026 की विशेष थीम दिल की सेहत और स्ट्रोक से मुक्ति है। विश्व फिजियोथेरेपी संगठन ने इस वर्ष का मुख्य फोकस "हृदय रोग और स्ट्रोक के बचाव, प्रबंधन और पुनर्वास में फिजियोथेरेपी

की भूमिका" तय किया है। आंकड़े बताते हैं कि दुनिया भर में होने वाली मौतों में 30% से अधिक का कारण हृदय रोग है। डॉ. पायल हरगांवकर के अनुसार, मरीजों की क्षमता के अनुसार सुरक्षित और 'पर्सनलाइज्ड एक्सरसाइज प्रोग्राम' तैयार किए जाते हैं, जो दिल के दौर के जोखिम को कम करते हैं। स्ट्रोक के बाद शरीर का संतुलन और अंगों का तालमेल बिगड़ जाता है। एडवांस न्यूरो-फिजियोथेरेपी के जरिए मरीज की खोई हुई कार्यक्षमता, संतुलन और स्वतंत्रता को वापस लाया जाता है। हफ्ते में सिर्फ 5 दिन 30 मिनट की सही शारीरिक गतिविधि स्ट्रोक के खतरे को 25% तक कम कर सकती है। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति के साथ इंदौर में अब ऐसी आधुनिक तकनीकें उपलब्ध हैं जो पुरानी से पुरानी और जटिल समस्याओं को बिना दवाओं के ठीक कर रही हैं। इनमें एडवांस मैनुअल ऑस्टियोपैथी यह एक बेहद आधुनिक और प्रभावी हाथों से की जाने वाली थेरेपी है। इसमें जोड़ों, मांसपेशियों और रीढ़ की हड्डी के अलाइनमेंट को

प्राकृतिक रूप से सुधारा जाता है, जिससे दर्द की जड़ पर सीधा असर होता है। इंदौर के आईटी प्रोफेशनल और डेस्क जॉब करने वाले युवाओं में 'गर्दन का कूबड़', प्रोजेन शोल्डर और गंभीर कमर दर्द आम हैं। एडवांस पोस्चर असेसमेंट और डिजिटल थेरेपी के जरिए इसे बिना दवाओं के ठीक किया जा रहा है। घुटने के पुराने दर्द, लिगामेंट चोट और सायटिका जैसी समस्याओं के लिए पर्सनलाइज्ड असेसमेंट किया जाता है। फेफड़ों और दिल की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए चेस्ट फिजियोथेरेपी अब गंभीर मरीजों के पुनर्वास का मुख्य हिस्सा बन चुकी है।

डॉ. पायल हरगांवकर का कहना है कि, "अक्सर लोग सोचते हैं कि फिजियोथेरेपी का मतलब सिर्फ कुछ सामान्य एक्सरसाइज या मशीन लगाना है, जो कि एक गलत धारणा है। एडवांस ऑस्टियोपैथी और फिजियोथेरेपी में हम सबसे पहले मरीज की मेडिकल हिस्ट्री, मांसपेशियों की बायोमैकेनिक्स और शरीर के संतुलन की गहराई से जांच करते हैं।

सुलगांव में अवैध शराब के खिलाफ फूटा आक्रोश,

हरणगांव थाना पहुंचकर महिलाओं ने दिया ज्ञापन

ब्रह्मचारी रामेश्वर जी पटेल
पूर्व मंत्री म.प्र. शासनपप्पू बैस्वा (नरेन्द्र)
चलित झौंकी कलाकारअब्दुल सलाम जोशाद
क्लेरोनेट वादन

राजकुमार मोदी

देवास जिले के अंतिम छोर पर बसे खातेगांव विकास खंड के हरणगांव थानांतर्गत ग्राम सुलगांव के ग्रामीण महिलाओं तथा रहवासियों ने थाना हरणगांव पहुंचकर थाना प्रभारी अभिषेक सेंगर को ज्ञापन सौंपकर बताया कि गांव में शराब की अवैध रूप से बिक्री की जा रही है।

उसे बंद कराया जाए ठेकेदार द्वारा शराब दुकान से डायरी देकर कई विक्रेता नियुक्त कर दिए हैं जो बस्ति में अवैध रूप से शराब बिक्री कर रहे हैं जो शराब खरिदने के लिए रहवासी जो

मजदूर गरीब है घर के अनाज बर्तन आदि बेच देते हैं परिवार पर आर्थिक संकट आ गया है। छोटे छोटे बच्चों पर विपरित असर पड़ रहा है। अतः शराब बिक्री बंद की जाए गांवों कई इस शराब बिक्री करने से गांव की शांति भंग हो रही है यदि शराब की बिक्री बंद नहीं की गयी तो आंदोलन किया जाएगा इस सम्बंध में थाना प्रभारी अभिषेक सेंगर ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है उचित कार्यवाही की जाएगी आबकारी अधिकारी खातेगांव पूजा गेहलोत से मोबाइल पर चर्चा करने का प्रयास किया तो उन्होंने बात नहीं की।

UGC के विरोध में मां करणी सेना का बड़ा ऐलान, आगामी आंदोलनों की बनी रणनीति



इंदौर। राजपूत समाज के जागरूक एवं जिम्मेदार पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम में छात्रों के विरुद्ध बताए जा रहे UGC के कथित काले कानून तथा नर्मदा किनारे क्षेत्र के किसानों के साथ हो रहे अन्याय के विरोध में आगामी आंदोलनों एवं कार्यक्रमों की रणनीति पर चर्चा की गई।

इस दौरान जिला कार्यकारिणी विस्तार एवं पदभार ग्रहण समारोह भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मां करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर धर्मेन्द्र सिंह गौतम, महेश्वर-निमाड़ क्षेत्र की शान अर्जुन ठाकुर, मां करणी सेना

निमाड़ क्षेत्र के संरक्षक कुंवर अर्जुन सिंह चौहान, संभागीय उपाध्यक्ष एवं निमाड़ संभाग प्रभारी संदीप सिंह सोलंकी, इंदौर जिला अध्यक्ष बाला ठाकुर तथा खरगोन जिला अध्यक्ष राहुल सिंह चौहान सहित क्षेत्र के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम में संगठन को मजबूत करने, जिला कार्यकारिणी के विस्तार तथा आगामी आंदोलनों को लेकर आवश्यक रूपरेखा तैयार की गई। पदाधिकारियों ने समाजहित एवं किसानों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की बात कही।



अहीरखेड़ी में अवैध कॉलोनी पर निगम की कार्रवाई, 4 भवन ध्वस्त

आदित्य शर्मा

इंदौर आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार शहर में अवैध कॉलोनी निर्माण पर लगातार कार्रवाई के क्रम में आज जोन क्रमांक 21 वार्ड क्रमांक 79 के अंतर्गत अहीर खेड़ी में निर्माणाधीन

अवैध कॉलोनी पर रिमूवल कार्रवाई की गई। नगर निगम ने अहीरखेड़ी में अवैध कॉलोनी विकास के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 5 हजार स्क्वेयर फीट क्षेत्र में बने 4 अवैध भवनों को जेसीबी और पोकलेन से ध्वस्त किया।

कार्रवाई में राम परमार, पंकज पंवार, सोनू जायसवाल और गगन परिहार के निर्माण हटाए गए। निगम अधिकारियों के अनुसार खाली मैदान में अवैध रूप से कॉलोनी विकसित करने के उद्देश्य से ये निर्माण किए जा रहे थे।

मंदिरों के जीर्णोद्धार में मूल स्वरूप के साथ छेड़छाड़ नहीं किया जाए – संभागायुक्त श्री लाक्षाकार

आदित्य शर्मा

इंदौर- संभागायुक्त श्री भास्कर लाक्षाकार की अध्यक्षता में धर्मस्व विभाग अंतर्गत आयुक्त नियंत्रित मंदिरों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभागायुक्त श्री लाक्षाकार ने इंदौर के 7 और धार जिले के 17 मंदिरों के प्रबंधन एवं विकास कार्यों को लेकर समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जिन

मंदिरों में विकास कार्य प्रगति पर है तथा जो प्रस्तावित है, उन सभी के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ न किया जाए। उन्होंने सभी मंदिरों में प्रबंधन के लिए तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को मंदिर प्रबंधन समिति की 15 दिवस में बैठक कर अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सभी मंदिरों के लिए संभागायुक्त की ओर से प्रबंधक नियुक्त किया जाए। इसके साथ ही 10 दिनों में

मंदिरों के भंडार का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में स्मार्ट सिटी सीईओ श्री अर्थ जैन, प्रभारी उपायुक्त राजस्व श्रीमती शैली कनाश, धार डिप्टी कलेक्टर सुश्री निमीशा पांडे, अनुविभागीय अधिकारी सुश्री निधी वर्मा, आईडीए अधिकारी श्री कपिल भल्ला सहित मंदिर विकास कार्य से जुड़े विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

महर्षि गौतम हाई स्कूल में मनाया कृष्ण जन्मोत्सव एवं शिक्षक दिवस

राजकुमार मोदी

भगवान कृष्ण का जन्म उत्सव मनाया गया। महर्षि गौतम हाई स्कूल कांटाफोड़ श्री कृष्ण जन्म अष्टमी पर्व हर्षोल्लास से मनाई गई। सर्व प्रथम भगवान कृष्ण को पालने में विराजित कर सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने पूजन किया साथ ही विद्यालय संचालक बालकृष्ण शर्मा प्राचार्या अर्चना शर्मा ने भगवान के जीवन पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में मटकी सजाओं प्रतियोगिता, मटकी फोड़ प्रतियोगिता, कृष्ण भगवान सजाओं प्रतियोगिता में प्रथम प्रथम पुरस्कार वितरण किए गए। साथ ही भगवान के भजनों पर बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुतियों दी। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका ममता मालवीया ने किया प्रतियोगिता पूजा शर्मा, पायल गौड़



के कुशल नेतृत्व में हुई साथ ही शिक्षक दिवस पर शिक्षक ऋषभ परमार, अजय धुर्वे, धनश्याम परसाई, संध्या धुर्वे, तनीषा यादव, माधुरी राठौर, नेहा वर्मा, श्रीमति दीपिका तिवारी, सपना

झिल्या, पारुल बराया, मेघा अंडेरिया, प्रतीक्षा मर्सकोले आदि का अभिनंदन पत्र भेटकर अभिनंदन किया गया इस अवसर पर छात्र छात्राओं सहित विद्यालय स्टाफ उपस्थित था।

23वां मालव रत्न अलंकरण से चलित झांकी कलाकार पप्पू बैरवा (नरेन्द्र) होंगे सम्मानित क्लेरोनेट वादन अब्दुल सलाम नोशाद को विशेष सम्मान

इंदौर। नेताजी सुभाष मंच एवं श्री गीता-रामेश्वरम ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 23वां मालव रत्न अलंकरण का आयोजन किया जा रहा है। इस बार चलित झांकी कलाकार पप्पू बैरवा (नरेन्द्र) को मालव रत्न अलंकरण से विभूषित किया जाएगा साथ ही विशेष रूप से क्लेरोनेट वादन अब्दुल सलाम नोशाद सम्मानित होंगे। जानकारी देते हुए मंच के अध्यक्ष मदन परमालिया एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल ने संयुक्त रूप से बताया कि आयोजन बुधवार, 9 सितम्बर को शाम 5 बजे बिचौली मर्दाना स्थित विद्यासागर ऑडिटोरियम, इन्दौर में आयोजित किया जाएगा।

आयोजन के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री सज्जनसिंह वर्मा, पूर्व विधायक वरिष्ठ कांग्रेस नेता सत्यनारायण पटेल, शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू

चौकसे, राधेश्याम पटेल, राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्लोता समाज वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोहर धवन होंगे। श्री पटेल एवं श्री परमालिया ने आगे बताया कि पूर्व मंत्री स्व. श्री रामेश्वर पटेल की जयंती के अवसर पर इन विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा। 1942 से चली आ रही परम्परा को जीवित रखने में श्री बैरवा ने 2009 से निरंतर अपनी कला और संस्कृति को संवारते हुए झांकी निर्माण करते आ रहे हैं, जिसमें कई पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। इस बार गणेशोत्सव चल समारोह में तीन झांकियों में अपनी कला का प्रदर्शन शहरवासियों के लिए देंगे। पिछले वर्ष निर्णायक मंडल द्वारा घोषित विजेता अखाड़ों व अखाड़ों के कलाकारों, मील कमेटियों और श कला में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कलाकारों को भी सम्मानित किया जाएगा।

अवैध रेत उत्खनन पर ब्यौहारी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो ट्रैक्टर जब्त

साहिल खान

ब्यौहारी। जिले में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन एवं बिक्री के खिलाफ पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 7 सितंबर 2026 को थाना ब्यौहारी पुलिस ने बनासी नदी में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो ट्रैक्टरों को जब्त किया है। जब्त वाहनों एवं अवैध रेत की कुल अनुमानित कीमत करीब 10 लाख 3 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि बनासी नदी में नीले रंग के सोनालिका ट्रैक्टर में जेसीबी टाइप ड्रोजर लगा हुआ है, जिसकी मदद से अवैध रूप से रेत निकाली जा रही है और उसे आयसर ट्रैक्टर की पीले रंग की ट्रॉली में लोड किया जा रहा है। सूचना मिलते ही ब्यौहारी पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही दोनों ट्रैक्टरों के चालक अपने वाहन छोड़कर नदी किनारे जंगल का फायदा उठाते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस टीम ने मौके पर दोनों वाहनों की जांच की, जिसमें आयसर ट्रैक्टर की पीले रंग की ट्रॉली में अवैध रेत भरी हुई मिली। वहीं, नीले रंग के सोनालिका ट्रैक्टर में रेत उत्खनन एवं लोडिंग के लिए जेसीबी टाइप ड्रोजर लगा हुआ पाया गया। पुलिस ने पंचों



की मौजूदगी में दोनों ट्रैक्टरों एवं अवैध रेत को विधिवत जब्त कर लिया। जब्त मशरूका की कुल अनुमानित कीमत 10,03,000 आंकी गई है। दोनों वाहनों को थाना परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया गया तथा जब्त रेत को नियमानुसार सुरक्षित किया गया। मामले में अज्ञात वाहन चालकों के विरुद्ध धारा 303(2) बीएनएस, धारा 4/21 खनिज अधिनियम एवं धारा 39/192 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। फरार वाहन चालकों की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कार्रवाई थाना प्रभारी ब्यौहारी के निर्देशन में सउनि राजेन्द्र द्विवेदी, प्रधान आरक्षक महेन्द्र पाल शुक्ला, आरक्षक पंकज मेहरा एवं आरक्षक अभिषेक की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

लगभग 25 लाख का स्टॉप डैम, फिर भी बूंदभर पानी नहीं!

पैरीबहरा पंचायत के माझगडयी में निर्माण पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल, इंजीनियर-सचिव की भूमिका पर भी आरोप

साहिल खान

शहडोल/बुढ़ार। जनपद पंचायत बुढ़ार अंतर्गत ग्राम पंचायत पैरीबहरा के माझगडयी में करीब 25 लाख रुपये की लागत से बनाए गए स्टॉप डैम को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस उद्देश्य से लाखों रुपये खर्च कर स्टॉप डैम का निर्माण कराया गया, वह जमीन पर पूरा होता नजर नहीं आ रहा है। उनका दावा है कि क्षेत्र में बारिश के दौरान आसपास के हिस्सों में पानी जमा होता है, लेकिन स्टॉप डैम में पानी रुकने की स्थिति दिखाई नहीं देती।

ग्रामीणों ने निर्माण स्थल के चयन को लेकर भी सवाल उठाए हैं

उनका कहना है कि यदि स्टॉप डैम ऐसी जगह बनाया गया है जहां पर्याप्त जलभराव या पानी का बहाव ही नहीं है, तो फिर इतनी बड़ी राशि खर्च करने का औचित्य क्या है। ग्रामीणों ने निर्माण की तकनीकी गुणवत्ता पर भी सवाल उठाते हुए पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है।

मामले को लेकर ग्रामीणों ने संबंधित इंजीनियर और पंचायत सचिव की भूमिका पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों को आशंका है कि निर्माण कार्य में शासकीय राशि का सही तरीके से उपयोग नहीं हुआ है।



हालांकि लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। ऐसे में वास्तविक स्थिति निर्माण स्थल की तकनीकी जांच और संबंधित दस्तावेजों की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और जनपद पंचायत के अधिकारियों से मांग की है कि स्टॉप डैम की तकनीकी स्वीकृति, निर्माण का प्राक्कलन, कार्य की माप

पुस्तिका, भुगतान संबंधी दस्तावेज और मौके पर हुए निर्माण की गुणवत्ता की जांच कराई जाए। उनका कहना है कि जांच निष्पक्ष तरीके से होने पर यह स्पष्ट हो जाएगा कि करीब 25 लाख रुपये की लागत से कराया गया निर्माण निर्धारित मापदंडों के अनुसार हुआ है या नहीं।

अब पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि बारिश के मौसम में भी स्टॉप डैम में पानी नहीं रुक रहा है, तो इसके निर्माण का वास्तविक उद्देश्य कितना पूरा हुआ। ग्रामीणों की शिकायत के बाद अब जनपद पंचायत और जिला प्रशासन की जांच पर नजर रहेगी। जांच के बाद ही यह साफ हो सकेगा कि मामला निर्माण स्थल के चयन का है, तकनीकी खामी का या फिर निर्माण में किसी तरह की अनियमितता हुई है।

खाचरौद में भव्य रूप से मचा बलराम जन्मोत्सव का धमाल...

हेलीकॉप्टर से हुई फूलों की वर्षा...

खाचरौद, जिला उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के गृह जिले में खाचरौद नगर में हाल ही में धाकड़ समाज द्वारा 'भगवान धरणीधर-बलराम जी एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव' का कार्यक्रम अत्यंत भव्य एवं ऐतिहासिक रूप से मनाया गया। इस संबंध में अखिल भारतीय श्री धाकड़ महासभा युवा संघ भारत वर्ष के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय नन्देडा के नेतृत्व में पहले ही प्रशासन को सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए ज्ञापन सौंपा गया था, जिसके तहत कार्यक्रम पूरी तरह सफल रहा। इस भव्य धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन में नारी शक्ति, युवाओं, किसानों और क्षेत्रवासियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। बतौर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल और अखिल भारतीय श्री धाकड़ महासभा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री समंदर जी पटेल विशेष रूप से शामिल हुए, जिनका जगह-जगह पुष्पमालाओं एवं पुष्पवर्षा के साथ आत्मीय व भव्य स्वागत किया गया। साथ ही खाचरौद विधायक दिलीप गुर्जर, प्रदेश कांग्रेस सचिव विक्रम मस्ताल (हनुमान), वरिष्ठ कांग्रेस नेता समंदर पटेल, म.प्र. कांग्रेस कमेटी के सचिव विजय (बंटी) राठौर, पूर्व प्रदेश महामंत्री शक्ति सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष पृथ्वीराज सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष गोविन्द भरवा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जीवन पाटीदार, राधे जायसवाल, ऋतुराज मण्डावल्या, सभापति कविता नन्देडा, संजय नन्देडा (राष्ट्रीय अध्यक्ष, अ.भा. धाकड़ युवा संघ) सहित क्षेत्र के तमाम गणमान्य नेताओं व पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

हेलीकॉप्टर से आगमन और



ऐतिहासिक पुष्पवर्षा...

दोनों विशिष्ट अतिथि सुबह निर्धारित समय पर हेलीकॉप्टर के माध्यम से खाचरौद पधारे। उनके हेलीकॉप्टर को उतारने के लिए नागदा रोड स्थित शासकीय महाविद्यालय के सामने स्थित अस्थायी मटर मंडी स्थल पर अस्थायी हेलीपैड बनाया गया था। चल समारोह के दौरान इन दोनों अतिथियों ने हेलीकॉप्टर के माध्यम से भगवान धरणीधर-बलराम जी की भव्य शोभायात्रा पर अद्भुत पुष्पवर्षा की, आसमान से बरसते पुष्पों के बीच पूरा क्षेत्र भगवान बलराम एवं श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। इस तरह इस आयोजन की भव्यता में चार चांद लग गए। दोनों अतिथि शाम 4 बजे तक नगर के इस ऐतिहासिक उत्सव में उपस्थित रहे।

किसानों की समस्याओं पर चर्चा और संवाद... चल समारोह के दौरान श्री सत्यनारायण पटेल जी ने क्षेत्र के किसानों, युवाओं, महिलाओं एवं स्थानीय नागरिकों के बीच पहुंचकर उनसे आत्मीय संवाद किया और उनकी

समस्याओं को विस्तार से सुना।

फसल और खाद की समस्या: किसानों ने बताया कि प्रतिकूल मौसम एवं फसलों में फैल रही बीमारी के कारण सोयाबीन की फसल पीली पड़कर सूखती जा रही है, वहीं पर्याप्त मात्रा में खाद समय पर उपलब्ध नहीं होने के कारण भी किसान बेहद परेशान हैं।

किसानों की मांग व नेताओं का रुख: भारी लागत और मेहनत से तैयार फसल को खराब होता देखकर अन्नदाता चिंतित हैं। श्री सत्यनारायण पटेल जी ने कहा कि अन्नदाता हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि प्रभावित सोयाबीन फसलों का तत्काल सर्वे कराया जाए, किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जाए, कृषि विभाग की टीमों गांव-गांव भेजकर फसल रोग की रोकथाम के लिए सहायता दी जाए और फसल नुकसान की स्थिति में उचित राहत व मुआवजा दिया जाए। साथ ही, श्री पटेल ने महिलाओं एवं युवाओं से भी संवाद कर स्थानीय मुद्दों की जानकारी ली और जनता के अधिकारों की आवाज हर स्तर पर मजबूती से उठाने की बात कही। खाचरौद में मिले अपार प्रेम और स्नेह के लिए उन्होंने सभी का हृदय से आभार व्यक्त किया। प्रशासनिक सहयोग, पुलिस सुरक्षा और आयोजकों की बेहतरीन व्यवस्थाओं के चलते यह बलराम जन्मोत्सव खाचरौद के इतिहास में एक यादगार और भव्य आयोजन के रूप में दर्ज हो गया है, जिसमें हजारों की संख्या में समाजजन और नागरिक उपस्थित रहे।

चरखरी तालाब में डूबने से महिला की मौत

प्रदीप सिंह बघेल
शहडोल संभाग

शहडोल- ब्यौहारी तहसील के ग्राम सलैया टोला निवासी बिज्जू सिंह पति श्री शिवनारायण सिंह की चरखरी जलाशय में डूबने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बिज्जू सिंह शनिवार सुबह करीब 8 बजे से लापता थीं। परिजनों एवं ग्रामीणों द्वारा आसपास तलाश किए जाने के दौरान जानकारी मिली कि बिज्जू सिंह को चरखरी जलाशय की ओर जाते हुए देखा गया था। इसके बाद घटना की सूचना स्टेट कंट्रोल कमांड भोपाल को दी गई। सूचना मिलते ही थाना ब्यौहारी का पुलिस दल मौके पर पहुंचा और ग्रामीणों के सहयोग से जलाशय में उनकी तलाश शुरू की गई। घटना की जानकारी मिलने पर एसडीएम ब्यौहारी



सुश्री अर्चना मिश्रा द्वारा एसडीआरएफ दल को भी बुलाया गया। ग्रामीणों एवं पुलिस द्वारा लगातार तलाश अभियान चलाया गया। शाम करीब 3 बजे ग्रामीणों की मदद से बिज्जू सिंह का शव जलाशय से बाहर निकाल लिया गया।

छात्रावास परिसर में बाहरी लोगों की आवाजाही पर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

पुनीत सेन- खालवा/खार। तहसील खालवा अंतर्गत ग्राम खार स्थित छात्रावास परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि शाम 7 बजे के बाद परिसर में कर्मचारियों एवं सुरक्षा गार्ड के अलावा अन्य व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक रहती है। इसके बावजूद रात के समय बाहरी व्यक्तियों के परिसर में आने-जाने की बात सामने आ रही है। बताया गया है कि परिसर में बाहरी व्यक्तियों की आवाजाही को दर्ज करने के लिए सुरक्षा गार्ड के पास एंट्री रजिस्टर की व्यवस्था स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देती। ऐसे में सवाल उठता है कि रात के समय परिसर में आने वाले बाहरी व्यक्तियों का रिकॉर्ड किस प्रकार रखा जा रहा है। गौरतलब है कि इसी परिसर में दो गर्ल्स हॉस्टल भी संचालित हैं। ऐसे में छात्रावास परिसर में बाहरी व्यक्तियों की आवाजाही को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठना स्वाभाविक है। स्थानीय स्तर पर यह सवाल भी उठ रहा है कि यदि भविष्य में सुरक्षा में लापरवाही के चलते कोई अप्रिय घटना होती है।

इंदौर में अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग का बड़ा प्रहार

दो दिन में दो बड़ी कार्रवाई, 1,000 से अधिक पेटियां जब्त- करीब 1 करोड़ रुपये से ज्यादा की शराब बरामद

CM डॉ. मोहन यादव की जीरो टॉलरेंस नीति का असर, आबकारी विभाग की लगातार कार्रवाई से अंतरराज्यीय शराब तस्करी नेटवर्क में हड़कंप

इंदौर में अवैध शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग ने लगातार दो दिनों में दो बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 1,000 पेटियां अवैध शराब जब्त की हैं। दोनों कार्रवाइयों में बरामद शराब की अनुमानित कीमत 1 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। आबकारी आयुक्त श्री दीपक सक्सेना के अवैध शराब के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के

निर्देशों के पालन में, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशन में इंदौर आबकारी विभाग द्वारा दोनों कार्रवाई की गई। कार्रवाई में कंट्रोलर श्री कमलेश सोलंकी, डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल एवं एडीईओ श्रीमती निधि शर्मा सहित आबकारी विभाग की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बायपास पर 55 लाख की शराब से भरा कंटेनर पकड़ा-आबकारी विभाग की टीम ने बायपास क्षेत्र में एक संदिग्ध कंटेनर की जांच की। जांच के दौरान कंटेनर से हरियाणा/पंजाब निर्मित शराब की 500 से अधिक पेटियां बरामद की गईं। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 55 लाख रुपये बताई गई है। शराब को जब्त कर कंटेनर को अभिरक्षा में लिया गया तथा मामले में वाहन चालक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

साहसिक कार्यशैली और कुशल पुलिसिंग की मिसाल हैं टीआई प्रवीण नागर जन्मदिन पर शुभचिंतकों ने किया आत्मीय सम्मान, देवी अहिल्या की तस्वीर भेंट कर दी शुभकामनाएं

इंदौर, मयूर जैन । लसूडिया थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण नागर का जन्मदिन शुभचिंतकों ने हर्षोल्लास एवं आत्मीय वातावरण में मनाया। इस अवसर पर उन्हें पुष्पमालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया तथा देवी अहिल्या माता की तस्वीर भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गईं। पुलिस सेवा में अपनी बेहतर कार्यशैली, साहसिक निर्णय क्षमता, अनुशासन और प्रभावी पुलिसिंग के लिए पहचान बनाने वाले प्रवीण नागर लंबे समय तक लसूडिया थाने में एसआई के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजगता और अपराध नियंत्रण को लेकर सक्रिय रवैये के चलते उन्होंने विभाग में अलग पहचान बनाई। कनाड़िया थाने में पदस्थ रहते हुए भी उन्होंने अपनी कार्यकुशलता की छाप छोड़ी। लसूडिया में वर्षों तक सेवाएं देने के बाद पदोन्नति प्राप्त कर



तीन स्टार के साथ थाना प्रभारी की जिम्मेदारी संभालना उनकी कार्यक्षमता और विभागीय विश्वास का परिचायक है। सहज, स्नेही और मिलनसार स्वभाव के साथ ही कर्तव्य के प्रति दृढ़ता प्रवीण नागर के व्यक्तित्व की खास पहचान

है। जन्मदिन के अवसर पर शुभचिंतकों ने उनके स्वस्थ, सफल एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में लसूडिया थाना पुलिसिंग के क्षेत्र में नई मिसाल कायम करेगा।

टीएल बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के सख्त निर्देश

शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण करें सुनिश्चित



आदित्य शर्मा

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज समय-सीमा पत्रों (टीएल) के निराकरण की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं, नागरिक सेवाओं तथा सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के निराकरण की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप नागरिकों से संबंधित सभी आवेदनों और शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। शिकायतों के निराकरण में केवल खानापूर्ति नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपूर्ण समाधान पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में वनमण्डलाधिकारी श्री लाल सुधाकर सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रिकेश वैश्य सहित अन्य संबंधित अधिकारी

उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का डिस्पोजल निर्धारित समय-सीमा में होना चाहिए। समीक्षा के दौरान ऐसी शिकायतों को चिन्हित किया जाए, जिनमें अनावश्यक विलंब अथवा लापरवाही सामने आ रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी आवेदन या शिकायत के निराकरण में अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारी-कर्मचारी की जवाबदारी तय करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि समीक्षा के दौरान चिन्हित कुछ शिकायतों में लापरवाही सामने आई है, जिस पर संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है। नगर निगम क्षेत्र से संबंधित एक शिकायत के निराकरण में अनावश्यक विलंब पाए जाने पर संबंधित कर्मचारी सहायक ग्रेड-3 श्री संजय पांडे को निलंबित करने और एनआरवाय शाखा के श्री सी.एस. निगम के तीन दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए।

नौकरी के लिए हजारों दावेदार जनप्रतिनिधि बनने के लिए इतने कम क्यों?

लोकतंत्र में हम मतदाता बनने को तैयार हैं, उम्मीदवार बनने से क्यों हिचकते हैं?

गोपाल गावंडे

सरकारी नौकरी की एक छोटी-सी रिक्ति निकलती है तो उसके लिए बड़ी संख्या में आवेदन पहुंच जाते हैं। युवा महीनों तैयारी करते हैं, परीक्षाएं देते हैं, साक्षात्कार की कतार में खड़े होते हैं। उन्हें विश्वास होता है कि वे उस पद के योग्य हैं और अवसर मिला तो जिम्मेदारी निभा सकते हैं।

इसके ठीक उलट चुनाव का दृश्य देखिए। लाखों की आबादी वाले विधानसभा क्षेत्र में उम्मीदवारों की संख्या अक्सर उंगलियों पर गिनी जा सकती है। पंचायत, नगर निकाय से लेकर विधानसभा और लोकसभा तक यही सवाल हमारे सामने खड़ा होता है—जब नौकरी के एक पद के लिए हजारों लोग स्वयं को योग्य मानते हैं, तो लाखों लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए इतने कम नागरिक आगे क्यों आते हैं? यह प्रश्न चुनाव लड़ने वालों की संख्या से कहीं बड़ा है। यह हमारी लोकतांत्रिक सोच और राजनीतिक भागीदारी से जुड़ा प्रश्न है।

राजनीति आखिर किसकी है?

हमने राजनीति को धीरे-धीरे एक अलग पेशा मान लिया है। आम धारणा बन गई है कि चुनाव वही लड़ सकता है जिसके पास राजनीतिक परिवार की विरासत हो, बड़ा संगठन हो, पर्याप्त पैसा हो या किसी प्रभावशाली दल का समर्थन हो। इसी धारणा के कारण एक शिक्षक, डॉक्टर, वकील, किसान, व्यापारी, इंजीनियर, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता या सामान्य युवा स्वयं को जनप्रतिनिधि के रूप में देखने की कल्पना तक नहीं करता। जबकि लोकतंत्र का मूल विचार ही यह है कि शासन में जनता की भागीदारी हो। निर्धारित कानूनी योग्यताएं पूरी करने वाला नागरिक चुनावी प्रक्रिया में उम्मीदवार के रूप में भाग ले सकता है। फिर राजनीति को हमने कुछ लोगों तक सीमित क्षेत्र क्यों मान लिया?

आलोचना में आगे, भागीदारी में पीछे—आज सोशल मीडिया ने लगभग हर नागरिक को अपनी बात रखने का मंच दिया है। सड़क खराब हो तो पोस्ट होती है। पानी नहीं आए तो सरकार से सवाल होता है। बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार और विकास पर प्रतिदिन हजारों सुझाव दिए जाते हैं।



यह लोकतंत्र के लिए अच्छी बात है। सत्ता से सवाल होना चाहिए। लेकिन इसके साथ एक दूसरा सवाल भी जरूरी है—यदि हमारे पास समस्याओं की इतनी स्पष्ट समझ और समाधान के इतने सुझाव हैं, तो हममें से अधिक लोग सार्वजनिक जीवन में उतरने के बारे में क्यों नहीं सोचते? व्यवस्था को यह बताना कि उसे क्या करना चाहिए, नागरिक का अधिकार है। लेकिन जो व्यक्ति स्वयं को सक्षम समझता है, उसके लिए व्यवस्था का हिस्सा बनकर बदलाव का प्रयास करने का रास्ता भी खुला है।

क्या राजनीति की नकारात्मक छवि जिम्मेदार है?—संभवतः सबसे बड़ी बाधाओं में से एक राजनीति को लेकर हमारे मन में बनी छवि है। राजनीति का नाम आते ही धनबल, बाहुबल, भ्रष्टाचार, गुटबाजी और सत्ता संघर्ष जैसे शब्द सामने आने लगते हैं। इस छवि के पीछे वास्तविक अनुभव और कारण हो सकते हैं। लेकिन इसका परिणाम चिंताजनक है। अच्छे, शिक्षित, ईमानदार और सक्षम नागरिक यदि यह सोचकर राजनीति से दूर रहें कि यह क्षेत्र उनके लिए नहीं है, तो राजनीति की गुणवत्ता बेहतर कैसे होगी? यदि अच्छे लोग राजनीति से दूरी बनाएं, तो अच्छी राजनीति की अपेक्षा किससे करेंगे? राजनीति की कमियों की आलोचना आवश्यक है, लेकिन राजनीति से अच्छे लोगों का पलायन उसका समाधान नहीं हो सकता।

जनप्रतिनिधि का अर्थ सत्ता नहीं, जिम्मेदारी है हमारी दूसरी समस्या शायद 'नेता' शब्द को देखने के तरीके में है। नेता का अर्थ केवल पद, प्रभाव, काफिला या सत्ता नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में निर्वाचित व्यक्ति मूलतः जनप्रतिनिधि है—जनता की समस्याओं, आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को शासन तक पहुंचाने वाला प्रतिनिधि।

इसलिए चुनाव लड़ना केवल सत्ता प्राप्त करने की महत्वाकांक्षा नहीं होना चाहिए। इसे सार्वजनिक जिम्मेदारी लेने की इच्छा के रूप में भी देखा जाना चाहिए। हर व्यक्ति को चुनाव लड़ना चाहिए, यह तर्क व्यावहारिक नहीं है। हर व्यक्ति में इसकी इच्छा या क्षमता होना भी आवश्यक नहीं। लेकिन योग्य नागरिक केवल इसलिए पीछे हट जाएं कि उन्होंने राजनीति को अपने लिए निषिद्ध क्षेत्र मान लिया है, यह लोकतंत्र के लिए स्वस्थ स्थिति नहीं है।

युवाओं को राजनीतिक साक्षरता भी चाहिए—हम युवाओं को नौकरी की परीक्षा का पाठ्यक्रम बताते हैं। उन्हें आवेदन भरना सिखाते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं और करियर के विकल्पों की जानकारी देते हैं। क्या उतनी ही गंभीरता से उन्हें लोकतांत्रिक संस्थाओं के बारे में बताते हैं? कितने युवाओं को मालूम है कि पार्षद की वास्तविक जिम्मेदारी क्या है? पंचायत के अधिकार क्या हैं? विधायक और सांसद की भूमिका में क्या अंतर है? चुनाव लड़ने के लिए क्या कानूनी योग्यताएं और प्रक्रियाएं हैं? राजनीतिक जागरूकता का अर्थ किसी पार्टी का समर्थक बनना नहीं है। इसका अर्थ है—अपने लोकतंत्र को समझना और उसमें अपनी भूमिका पहचानना।

कभी यह सवाल भी पूछिए—'मैं क्यों नहीं?' चुनाव के समय हम उम्मीदवारों को देखते हैं और पूछते हैं—इनमें सबसे अच्छा कौन है? लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए शायद एक और सवाल पूछने का समय है—'यदि मुझे लगता है कि मेरे क्षेत्र का बेहतर प्रतिनिधित्व हो सकता है, तो मैं क्यों नहीं?' इस सवाल का अर्थ यह नहीं कि हर नागरिक अगला चुनाव लड़ने निकल पड़े। इसका अर्थ केवल इतना है कि राजनीति को कुछ परिवारों, दलों या स्थापित चेहरों की जागीर मानने की मानसिकता टूटनी चाहिए। देश को अच्छे मतदाताओं की आवश्यकता है, लेकिन उतनी ही आवश्यकता अच्छे उम्मीदवारों की भी है। हम सोशल मीडिया पर परिवर्तन की मांग करते हैं। सरकारों को सुझाव देते हैं। नेताओं से बेहतर काम की अपेक्षा करते हैं। यह सब जरूरी है। लेकिन लोकतंत्र हमें आलोचना के साथ भागीदारी का अवसर भी देता है। नौकरी के एक पद के लिए हजारों लोग स्वयं को दावेदार मानते हैं। फिर जनसेवा की जिम्मेदारी के लिए स्वयं को योग्य मानने वाले नागरिक इतने कम क्यों दिखाई देते हैं? यह सवाल किसी एक चुनाव या राजनीतिक दल से नहीं है। यह सवाल हम सब से है।

Bright Future LEARNING ACADEMY

An Initiative by **RANJEET TIMES GROUP**

ADMISSIONS OPEN 2026-27

KG-1 to Class 10

QUALITY EDUCATION | EXPERIENCED FACULTY | VALUES & DISCIPLINE | HOLISTIC DEVELOPMENT

हर बच्चे का उज्ज्वल भविष्य हमारी प्राथमिकता

प्रवेश हेतु संपर्क करें **9827068888**

BRIGHT FUTURE LEARNING ACADEMY
An Initiative by **RANJEET TIMES GROUP**

आधुनिक शिक्षा | अनुभवी शिक्षक | सुरक्षित परिसर | सर्वांगीण विकास